पर विदेशों को भेजते हैं जिससे उनका निर्यात बढ़े। निर्यातक देशों के अंदर पैनिसिलीन के भाव १ रु० ४ आने से लेकर १ रुपया ८ आने तक है।

(२) जब पिम्परी में कारखाना स्थापित करने का विचार किया गया था, उस समय तथा उसके बाद कई वर्षों तक, निर्यातक देशों में पैनिसिलीन के भाव बहुत ऊंचे थे। लेकिन शुरू से अधिक मुनाफा कमा लेने से कारखाने की स्थापना की उनकी प्रारंभिक लागत निकल आयी है और अब उनका खर्च उसके उत्पादन में प्रयोग होने वाले कच्चे मालों का ही रह गया है। पिम्परी के कारखाने में पूरा उत्पादन १९५६–५७ से ही शुरू हुआ है जैसे जैसे उसका धीरे–धीरे उत्पादन बढ़ रहा है, वैसे लागत घट रही है। सं० रा० अन्तराष्ट्रीय आपत्कालिक बाल सहायता कोष और विश्व–स्वास्थ्य संघ के विशेषज्ञों का अनुमान १ रु० ४ आने प्रति मेगा यूनिट लागत आने का था लेकिन कारखाने ने इससे कम दामों पर माल तैयार किया और अब वह ६९ नं० पै० प्रति मेगा यूनिट के भाव पर बेचा जा रहा है। पैनिसिलीन का उत्पादन बढ़ने से और अन्य एन्टीबायोटिक पदार्थ जैसे स्ट्रेप्टोमाइसीन और डाइहाइड्रोस्ट्रेप्टोमाइसीन बनने लगने से, जिनके प्रस्तावों पर सक्रियता से विचार हो रहा है, उत्पादन लागत और भी घट जाने की संभावना है; जिससे अंततः पैनिसिलीन के दाम कम करने में मदद मिलेगी।

(३) अधिकांश निर्यातक देशों में पैनिसिलीन का उत्पादन और उसकी खपत इतनी अधिक है कि वे थोड़े परिमाण में होने वाले निर्यात पर हानि उठा सकते हैं और उसे स्वदेशी बिक्री से पूरा कर सकते हैं। सं० रा० अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और भारत में १९५६ में पैनिसिलीन का कितना उत्पादन हुआ, इसके आंकड़े तुलनात्मक जानकारी के लिये नीचे दिया जा रहे हैं :—

सं० रा० अमेरिका	४७८० लाख मेगा यूनिट
ब्रिटेन	१,४५० लाख मेगा यूनिट
जापान	३५० लाख मेगा यूनिट
भारत	५१·८ लाख मेगा यूनिट

Neon-signs

1840. Shri Ramakrishna Reddy: Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) whether Government contemplate reducing the import duties on important components such as glass tubes, rare gas, transformers, time switches etc. required for the production of neon-signs (tube lighting industry in Delhi); and

(b) whether restrictions on the size of neon sign boards are proposed to be removed?

The Minister of Commerce and Industry (Shri Lal Bahadur Shastri): (a) No, Sir.

(b) The Delhi Administration has approved the proposal of the New Delhi Municipal Committee to permit the use of Neon-Sign Boards in certain sizes with effect from 1st May, 1958 against payment of Advertisement Tax

Leather Industry

1841 Shri S. M. Banerjee: Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) whether the leather industry in the country is facing a crisis;

(b) if so, the reasons for the same; and

(c) the steps taken to overcome this crisis?

The Minister of Commerce and Industry (Shri Lal Bahadur Shastri): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.